सीएसए में नशा मुक्ति अभियान के तहत निकली जागरूकता पदयात्रा

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता पदयात्रा निकाली गई। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों ने नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। पदयात्रा के शुभारंभ पर अधिष्ठाता उद्यान डॉ. वीके त्रिपाठी ने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ

170 विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों ने दिया 'नशे को ना, जीवन को हाँ' का संदेश

अपने साथियों और समाज को भी नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अधिष्ठाता कृषि डॉ. कौशल कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के विकास में गंभीर बाधा है। विभागाध्यक्ष पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान डॉ. रामजी ने स्वस्थ एवं सशक्त युवाओं को विकसित राष्ट्र की आधारशिला बताया। इस दौरान वक्ताओं ने नशे से बचाव के लिए खेलकूद, योग, सकारात्मक सोच, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला सामाजिक आंदोलन है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग से प्रतीक बाजपेयी एवं शिवम यादव मौजूद रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. उमा नाथ शुक्ला के साथ परास्नातक एवं विभिन्न राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के करीब 170 विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। पदयात्रा के दौरान नारे और संदेशों के माध्यम से नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

The Pioneer
www.dailypioneer.com
facebook.com/dailypioneer @TheDailyPioneer
instagram.com/dailypioneer linkedin.com/in/dailypioneer
TRUSTED SINCE 1865
LUCKNOW | MONDAY, AUGUST 10, 2026 | PAGES 16 | ₹3.00
RNI No. 2016/1957 | Late City Vol. 162 | Issue 217
PUBLISHED FROM: DELHI LUCKNOW BHOPAL RAIPUR BHUBANESWAR RANCHI CHANDIGARH DEHRADUN HYDERABAD VIJAYAWADA THIRUVANANTHAPURAM

Walk to raise awareness about drug effects

PIONEER NEWS SERVICE
Kanpur

The Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T), Kanpur, organised a comprehensive awareness walk on Sunday as part of the Drug De-addiction Campaign to raise awareness among youth and students about the ill effects of various types of drugs and to make the university campus completely drug-free.

The event was organised under the guidance of Vice-Chancellor Dr Sanjeev Gupta and the leadership of Dean (Agriculture) Dr Kaushal Kumar, Dean (Horticulture) Dr VK Tripathi, Dean (Community Science) Dr Seema Sonkar, Head of Department Animal Husbandry and Dairy Science Dr Ramji, and Dr Uma Nath Shukla.

The programme was inaugurated with deans and professors from various faculties of the university addressing the students and volunteers.

Dr Tripathi not only raised awareness among students about the ill effects of various types of drugs but also encouraged them to play an active role in keeping themselves, their peers, and society free from drugs. Dr Kaushal Kumar, described drug addiction as a serious obstacle to the development of individuals, families, society and the nation, and urged youth to stay away from it.

Dr Ramji stated that healthy and empowered youth are the foundation of a developed nation and that every student, teacher, and employee must fulfil their responsibility to make the university campus drug-free.

The speakers emphasised the need to promote awareness, positive thinking, sports, yoga, creative activities, and social participation to protect youth from the growing trend of drug addiction. They emphasised that drug de-addiction is not a one-day campaign, but a continuous social movement. University students should become ambassadors and agents of change, spreading the message of drug de-addiction to society. Around 170 students/volunteers from the postgraduate and various National Service Scheme units of the university participated in the event along with Programme Officer of National Service Scheme, Dr Uma Nath Shukla.

दैनिक आज 10/08/2026

गुप्ता,र... कर गुप्ता,कपिल गुप्ता, गोपाल गुप्ता, अंकुर गुप्ता,विवेक गुप्ता, द्वारा 45वां राष्ट्रीय व्यापारी दिवस, व्या

नशा मुक्ति अभियान को छात्र-छात्राओं ने निकाली पदयात्रा जागरूकता रैली

जागरूकता रैली में शामिल छात्र-छात्राएं।

कानपुर, 9 अगस्त। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में युवाओं एवं विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा विश्वविद्यालय परिसर को पूर्णतः नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से आज नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जागरूकता पदयात्रा रैली निकाली। वक्ताओं ने विशेष रूप से युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से बचाने के लिए जागरूकता, सकारात्मक सोच, खेलकूद, योग, रचनात्मक गतिविधियों तथा सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने पर बल दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के परास्नातक एवं विभिन्न राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के लगभग 170 छात्रों व स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत पदयात्रा निकाली। जागरुकता रैली के जरिए विद्यार्थियों एवं आमजन को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने लोगों से नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं मित्रों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।

कार्यक्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में नशे को ना, [illegible] को हाँ का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया। पदयात्रा में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय परिवार एक स्वस्थ, सुरक्षित, अनुशासित एवं नशामुक्त परिसर के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर से नशे की प्रवृत्ति को समाप्त करते हुए विद्यार्थियों के लिए स्वस्थ, सकारात्मक एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं अधिष्ठाता कृषि डॉ. कौशल कुमार, अधिष्ठाता उद्यान डॉ.वी.के. त्रिपाठी, अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान डॉ. सीमा सोनकर, विभागाध्यक्ष पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान डॉ. रामजी, डा. उमा नाथ के नेतृत्व में किया गया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 18 अंक : 43 कानपुर, सोमवार 10 अगस्त 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत निकाली गई पदयात्रा जागरूकता रैली

कानपुर । सीएसए में युवाओं एवं विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा विश्वविद्यालय परिसर को पूर्णतः नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से आज नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक व्यापक जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं अधिष्ठाता कृषि डॉ. कौशल कुमार, अधिष्ठाता उद्यान डॉ.वी.के. त्रिपाठी, अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान डॉ. सीमा सोनकर, विभागाध्यक्ष पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान डॉ. रामजी, डॉ.उमा नाथ शुक्ला के नेतृत्व में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता एवं प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए किया गया। अधिष्ठाता उद्यान डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों में न केवल विभिन्न प्रकार के नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न की बल्कि उन्हें स्वयं अपने साथियों और समाज को नशे से मुक्त रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। अधिष्ठाता कृषि डॉ. कौशल कुमार ने अपने संबोधनों में नशे को व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में एक गंभीर बाधा बताते हुए युवाओं को इससे दूर रहने का आह्वान किया। विभागाध्यक्ष पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान डॉ.रामजी ने कहा कि स्वस्थ्य एवं सशक्त युवा ही विकसित राष्ट्र की आधारशिला हैं और विश्वविद्यालय परिसर को नशामुक्त बनाने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। वक्ताओं ने विशेष रूप से युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से बचाने के लिए जागरूकता, सकारात्मक सोच, खेलकूद, योग, रचनात्मक गतिविधियों तथा सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला सामाजिक आंदोलन है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इस अभियान का दूत एवं परिवर्तन का वाहक बनकर समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाना चाहिए।

इस अवसर पर श्री प्रतीक बाजपेयी एवं श्री शिवम यादव अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के परास्नातक एवं विभिन्न राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के लगभग 170 छत्रों/स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ उमा नाथ शुक्ला के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पदयात्रा के दौरान स्वयंसेवकों ने नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता का संदेश देते हुए विभिन्न नारे एवं संदेशों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं आमजन को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने लोगों से नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं मित्रों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।

हिंदुस्तान 10/08/2026

नशा मुक्ति को लेकर छात्रों ने निकाली पदयात्रा

कानपुर। सीएसए के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और विवि कैम्पस को पूरी तरह नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से जागरूकता पदयात्रा निकाली। विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के निर्देश पर निकाली गई पदयात्रा का संयोजन डीन कृषि डॉ. कौशल कुमार, डीन उद्यान डॉ. वीके त्रिपाठी, डीन सामुदायिक विज्ञान डॉ. सीमा सोनकर की देखरेख में हुआ।

अमर उजाला 10/08/2026

... दिलाई गई। (ब्यूरो)

सीएसए छात्र बोले नशे को न, जीवन को हां

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता पदयात्रा निकाली गई। अधिष्ठाता उद्यान डॉ. वीके त्रिपाठी, अधिष्ठाता कृषि डॉ. कौशल कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ. रामजी ने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस दौरान छात्रों ने "नशे को न, जीवन को हां" जैसे नारे लगाए। (ब्यूरो)

मौसम विशेषज्ञ डा. एसएन सुनील पांडेय ने अनुसार रविवार देर रात या सोमवार तड़के अनुमान है।

सीएसए में गूंजा 'नशे को ना, जीवन को हां' का संदेश

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में युवाओं और विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए नशामुक्ति अभियान के तहत जागरूकता पदयात्रा निकाली गई। विश्वविद्यालय परिसर को पूरी तरह नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित पदयात्रा में करीब 170 परास्नातक विद्यार्थियों और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का आयोजन कुलपति डा. संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। पदयात्रा से पहले विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाताओं और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान की जानकारी दी।

विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता पदयात्रा

अधिष्ठाता उद्यान डा. वीके त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें अपने साथियों और समाज को नशे से दूर रखने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।अधिष्ठाता कृषि डा. कौशल कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में गंभीर बाधा है। युवाओं को इससे पूरी तरह दूर रहकर अपने भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।विभागाध्यक्ष पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान डा. रामजी ने कहा कि स्वस्थ और सशक्त युवा ही विकसित राष्ट्र की आधारशिला हैं। विश्वविद्यालय परिसर को नशामुक्त बनाने की जिम्मेदारी प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी की है।

जागरूकता के साथ सकारात्मक गतिविधियों पर जोर

वक्ताओं ने युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से बचाने के लिए जागरूकता के साथ सकारात्मक सोच, खेलकूद, योग, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला सामाजिक आंदोलन है। विद्यार्थियों से नशामुक्ति अभियान का दूत बनकर समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की गई।

नारों के साथ दिया नशामुक्ति का संदेश

पदयात्रा के दौरान विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों ने नशे के विरुद्ध विभिन्न नारे और संदेश देकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने आमजन से नशे से दूर रहने, परिवार और मित्रों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग से प्रतीक बाजपेयी और शिवम यादव मौजूद रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. उमा नाथ शुक्ला के साथ विभिन्न राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के स्वयंसेवकों ने पदयात्रा में भाग लिया।कार्यक्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में 'नशे को ना, जीवन को हां' का संदेश प्रभावी ढंग से प्रसारित किया गया। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से विश्वविद्यालय परिवार ने स्वस्थ, सुरक्षित, अनुशासित और नशामुक्त परिसर के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।